

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-१०१, विषय – प्राकृत व्याकरण-१ (महाराष्ट्री)

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयशी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणनी समज साथे प्राकृत परंपराशी पण अवगत थाय.

नं०	विषय	अंक
प्राकृत-१०१	प्राकृत व्याकरण-१ (महाराष्ट्री)	१. नाम-सर्वनाम २. क्रिया-कृदन्त ३. तद्धित, अव्यय, कर्मणि, प्रेरक प्रयोग ४. ध्वनि परिवर्तन स्वर, असंयुक्त व्यंजन ५. ध्वनि परिवर्तन, संयुक्त व्यंजन

**संदर्भ पुस्तक :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अन.जे.शाह, अमदावाद, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन, २००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, १९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास - नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राकृत संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी, अमदावाद
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन, दिल्ली, २००२
७. प्राकृत गद्य-चय संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2 &5)
८. प्रौढ प्राकृत अंश रचना, के.सी.सोगानी, अंश साहित्य अकादमी, २०००
९. प्राकृत मार्गोदेशिका-डि.के.बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-१०१, विषय – प्राकृत व्याकरण-१ (महाराष्ट्री)

- युनिट-१. अेकम-१ नाम-सर्वनाम मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)
- युनिट-२. अेकम-२ क्रिया-कृदन्त मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)
- युनिट-३. अेकम-३ तद्धित, अव्यय, कर्मणि, प्रेरक प्रयोगमांथी प्रश्न पूछवा. (१४)
- युनिट-४ अेकम-४ ध्वनि परिवर्तन स्वर, असंयुक्त व्यंजनमांथी प्रश्न पूछवा.  
(१४)
- युनिट-५. अेकम-५ ध्वनि परिवर्तन, संयुक्त व्यंजनमांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-102, विषय – प्राकृत गद्य -पद्य १ (महाराष्ट्री) अनुवाद

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयशी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणानी समज साथे प्राकृत परंपराशी पण अवगत थाय.

नं०	विषय	श्रेकम
प्राकृत-102	प्राकृत गद्य-पद्य १ (महारा ष्ट्री) अनुवाद	१. वसुदेवहिण्डी (संबसुभाणुणं कीडा पृ.१०५-६) कुवलयमालाकहा. (कुवलयमाला-कुवलयचंदाणं उज्जाणे मिलणं पृ.१६६-६८) २. चउपन्नमहापुरिसचरियं ( भइरवायरिअमंतसिद्धि पृ.११८-२० आरामसोहा कहा ( प्रारंभ से वरदा प्राप्ति तक ) ३. पउमचरियं ( केगड़ परिणयणं-उद्देश-२४)लीलावईकहा (णयरी – रायावण्णणो गाथा ३२-७२ ४. कहारयणकोस (चन्दना कहाणयं पृ.७०) धर्मोपदेशमालाविवरण ( चित्तयार दारिया-पृ. ) ५. वज्जालगं (कव्य,गाहा,मित्वज्जा ) गाहासत्सई (गाथामाधुरी क्रमांक१,२,४,१२,१७,१८,२२,२४,३०,३२,३६,३९,४२,४९,५४,५९,६४,६६,६७,७०,७२,७३,)

**संदर्भ पुस्तको :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अेन.जे.शाह, अमदावाड, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन,२००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन,१९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास – नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राक संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी,अमदावाड
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन,दिल्ली,२००२
७. प्राकृत गद्य-पद्य संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2&5)
८. प्रौढ प्राकृत अपभ्रंश रचना, के.सी.सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी,२०००
९. प्राकृत मार्गोपदेशिका-पंडित बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-१०२, विषय – प्राकृत गद्य -पद्य १ (महाराष्ट्री) अनुवाद

पेपर – १०२

कुलगुण – ७०

युनिट-१. अेकम-१ वसुदेवहिण्डी (संबसुभाणुणं कीडा पृ.१०५-६) कुवलयमालाकहा. (कुवलयमाला-कुवलयचंदाणं उज्जाणे मिलणं पृ.१६६-६८) मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-२. अेकम-२ चउपन्नमहापुरिसचरियं ( भइरवायरिअमंतसिद्धि पृ.११८-२० आरामसोहा कहा ( प्रारंभ से वरदान प्राप्ति तक )मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-३. अेकम-३ पउमचरियं ( केगइ परिणयणं-उद्देश-२४)लीलावईकहा (णयरी – रायावण्णणो गाथा ३२-७२ )मांथी प्रश्न पूछवा.  
(१४)

युनिट-४ अेकम-४ कहारयणकोस (चन्दना कहाणयं पृ.७०) धर्मोपदेशमालाविवरण ( चित्तयार दारिया-पृ. ) मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-५. अेकम-५ वज्जालगं (कव्य,गाहा,मित्त्वज्जा ) गाहासत्सई (गाथामाधुरी क्रमांक१,२,४,१२,१७,१८,२२,२४,३०,३२,३६,३९,४२,४९,५४,५९,६४,६६,६७,७०,७२,७३,)मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit**

**Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-10३, विषय - प्राकृत साहित्य परिचय

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयथी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणनी समज साथे प्राकृत परंपराथी पर अवगत थाय.

नं०	विषय	अेकम
प्राकृत-10३	प्राकृत साहित्य परिचय	१. वसुदेवहिण्डी ,कुवलयमालाकहा. २. चउपन्नमहापुरिसचरियं, आरामसोहा कहा ३. पउमचरियं, लीलावईकहा ४. कहारयणकोस , धर्मोपदेशमालाविवरण ५. वज्जालगंगं, गाहासत्सई

**संदर्भ पुस्तको :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अेन.जे.शाह, अमदावाद, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन,२००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन,१९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास - नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राकृत संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी,अमदावाद
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन,दिल्ली,२००२
७. प्राकृत गद्य-पद्य संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2&5)
८. प्रौढ प्राकृत अपभ्रंश रचना, के.सी.सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी,२०००
९. प्राकृत मार्गोपदेशिका-पंडित बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

कोर्ष:- प्राकृत-१०३, विषय - प्राकृत साहित्य परिचय

पेपर - १०३

कुलगुण - ७०

युनिट-१. अेकम-१ वसुदेवहिण्डी , कुवलयमालाकहा. मांथी प्रश्न पूछवा.	(१४)
युनिट-२. अेकम-२ चउपन्नमहापुरिसचरियं , आरामसोहा कहा मांथी प्रश्न पूछवा.	(१४)
युनिट-३. अेकम-३ पउमचरियं , लीलावईकहा मांथी प्रश्न पूछवा.	(१४)
युनिट-४ अेकम-४ कहारयणकोस , धर्मोपदेशमालाविवरण मांथी प्रश्न पूछवा.	(१४)
युनिट-५. अेकम-५ वज्जालगं , गाहासत्सई मांथी प्रश्न पूछवा.	(१४)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit**  
**Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-10३, विषय – प्राकृत व्याकरण २ (शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी,पाली, अपभ्रंश एवं अपठित अनुवाद)

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयथी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणानी समज साथे प्राकृत परंपराथी पर अवगत थाय.

नं०	विषय	अंक
प्राकृत-२०१	प्राकृत व्याकरण	१. शौरसेनी, मागधी, व्याकरण. ( नाम, ;सर्वनाम, क्रिया,कृदन्त) २. अर्धमागधी, अपभ्रंश व्याकरण. ( नाम, ;सर्वनाम, क्रिया,कृदन्त) ३. पाली व्याकरण ( नाम, ;सर्वनाम, क्रिया,कृदन्त) ४. अपठित अनुवाद : प्राकृतमांथी गुजराती अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेज ५. अपठित अनुवाद : गुजराती अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजमांथी प्राकृत

**संदर्भ पुस्तक :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अ.जे.शाह, अमदावाद, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन,२००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्यालय, १९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास - नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राकृत संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी,अमदावाद
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन,दिल्ली,२००२
७. प्राकृत गद्य-पद्य संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2&5)
८. प्रौढ प्राकृत अपभ्रंश रचना, के.सी.सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी,२०००
९. प्राकृत मार्गोपदेशिका-पंडित बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-२०१, विषय –प्राकृत व्याकरण २ (शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी,पाली, अपभ्रंश एवं अपठित अनुवाद)

पेपर – २०१

कुलगुण – ७०

युनिट-१. એકમ-૧ શૌરસેની, માગધી, વ્યાકરણ. ( નામ, ;સર્વનામ, ક્રિયા,કૃદન્ત)માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૨. એકમ-૨ અર્ધમાગધી, અપભ્રંશ વ્યાકરણ. ( નામ, ;સર્વનામ, ક્રિયા,કૃદન્ત)માંથી પ્રશ્ન પૂછવા.(૧૪)

યુનિટ-૩. એકમ-૩ પાલી વ્યાકરણ ( નામ, ;સર્વનામ, ક્રિયા,કૃદન્ત)માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૪ એકમ-૪ અપઠિત અનુવાદ : પ્રાકૃતમાંથી ગુજરાતી અથવા હિન્દી અથવા અંગ્રેજીમાંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૫. એકમ-૫ અપઠિત અનુવાદ : ગુજરાતી અથવા હિન્દી અથવા અંગ્રેજીમાંથી પ્રાકૃત માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)



हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-202, विषय – प्राकृत गद्य-पद्य २ (शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी,पाली, अपभ्रंश ( अनुवाद)

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयधी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणानी समज साथे

प्राकृत परंपराधी पण अवगत थाय.

नं०	विषय	अंक
प्राकृत-202	प्राकृत गद्य-पद्य २	१. कर्पूरमंजरी ( कविंजल-वियक्खणाकलहो जवनिका-१) ,मृच्छकटिकम् (वसंतसेणाहगस्स मुत्ति- अंक-२). २. गवतीसूत्र ( वणियाणं उवमियं शतक-१५, उत्तराध्ययनसुत्र ( नमि पव्वज्जा अध्ययन-९ ) ३. बकजातक , धम्मपद ( बालवग्गो ) ४. परमप्यासु ( २/१२८-१४३) करकंडचरिउ (संधि २/ कडवका १६-१८ ५. अशोक के शिलालेख १-३, कक्कुक-घटियाल शिलालेख

**संदर्भ पुस्तको :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अन.जे.शाह,  
अमदावाद, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन,२००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्यावन,१९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास – नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राकृत संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा  
प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी,अमदावाद
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन,दिल्ली,२००२
७. प्राकृत गद्य-पद्य संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2 &5)
८. प्रौढ प्राकृत अपभ्रंश रचना, के.सी.सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी,२०००
९. प्राकृत मार्गोपदेशिका-पंडित बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-२०२, विषय - प्राकृत साहित्य परिचय

पेपर - २०२

कुलगुण - ७०

युनिट-१. अेकम-१ कर्पूरमंजरी ( कविंजल-वियक्खणाकलहो जवनिका-१) ,मृच्छकटिकम (वसंतसेणाहगस्स मुत्ति-अंक-२)मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-२. अेकम-२ भगवतीसूत्र ( वणियाणं उवमियं शतक-१५, उत्तराध्ययनसुत्र ( नमि पव्वज्जा अध्ययन-९ ) मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-३. अेकम-३ बकजातक , धम्मपद ( बालवग्गो ) मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-४ अेकम-४ परमप्यासु ( २/१२८-१४३) करकंडचरिउ (संधि २/ कडवका १६-१८ मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

युनिट-५. अेकम-५ अशोक के शिलालेख १-३, कक्कुक-घटियाल शिलालेख मांथी प्रश्न पूछवा. (१४)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-203, विषय – प्राकृत साहित्य परिचय २

कोर्ष उद्देश : विद्यार्थी प्राकृत विषयथी परिचित थाय, विद्यार्थी प्राकृत व्याकरणानी समज साथे प्राकृत परंपराथी पण अवगत थाय.

नं०	विषय	अेकम
प्राकृत-203	प्राकृत गद्य-पद्य २	१. कर्पूरमंजरी, मृच्छकटिकम्. २. भगवतीसूत्र, उत्तराध्ययनसुत्र. ३. बकजातक , धम्मपद ४. परमप्यासु करकंडचरित ५. शिलालेख साहित्य

**संदर्भ पुस्तको :-**

- (१) प्राकृत स्वयं शिक्षक- प्रेमसुमन जैन
- (२) जैनसाहित्यनो बृहद इतिहास, भाग-५, गुलाबचन्द्र चौधरी. गुज.अनु.अेन.जे.शाह, अमदावाद, श्री १०८ जैनतीर्थदर्शन, २००४
३. प्राकृत साहित्य का इतिहास - जगदीशचन्द्र जैन. वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, १९८५
४. प्राकृत भाषा और साहित्य का इतिहास - नेमिचन्द्र शास्त्री
५. प्राकृत भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण एवं उनमें प्राक संस्कृत तत्त्व. के.आर.चन्द्रा प्राकृत टेक्षट सोसायटी, अमदावाद
६. शौरसेनी प्राकृत भाषा व्याकरण और साहित्य- राजाराम जैन, दिल्ली, २००२
७. प्राकृत गद्य-पद्य संचय (Selection from the works mentioned in CPRA2 &5)
८. प्रौढ प्राकृत अपभ्रंश रचना, के.सी.सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, २०००
९. प्राकृत मार्गोपदेशिका-पंडित बेचरदास दोशी.
१०. Introduction to Prakrit - Wooler A.C

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

कोर्ष:- प्राकृत-२०३, विषय - प्राकृत साहित्य परिचय

पेपर - २०३

कुलगुण - ७०

युनिट-१. એકમ-૧ કર્પૂરમંજરી,મૃચ્છકટિકમ માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૨. એકમ-૨ ભગવતીસૂત્ર, ઉત્તરાધ્યયનસૂત્ર માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૩. એકમ-૩ બકજાતક , ધમ્મપદ માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૪ એકમ-૪ પરમપ્પ્યાસુ ,કરકંડચરિત માંથી પ્રશ્ન પૂછવા. (૧૪)

યુનિટ-૫. એકમ-૫ શિલાલેખમાંથી પ્રશ્ન પૂછવા.

(૧૪)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1 & 2**

आंतरिक परीक्षानुं माणभुं निचे मुजब रहेशे.

कुलगुण -30

- (१) आंतरिक परीक्षाने आधारे १० टका गुणांक
- (२) सेमिनार, वर्कशोप, चर्चासलाने आधारे १० टका गुण
- (३) बुकरिव्यु / ऐसाईनमेन्ट आधारे १० टका गुणांक

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-1**

पेपर	विषय कोड	कोर्षनुं नाम	कोर्ष क्रेडीट	अठवाडिक व्याभ्यान	आंतरिक परीक्षा	यु.नी परीक्षा	कुलगुण	परीक्षानो समय
१	१०१	प्राकृत व्याकरण-१ (महाराष्ट्री)	४	४	३०	७०	१००	३
२	१०२	प्राकृत गद्य -पद्य १ (महाराष्ट्री) अनुवाद	४	४	३०	७०	१००	३
३	१०३	प्राकृत साहित्य परिचय	४	४	३०	७०	१००	३

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit  
Semester-2**

पेपर	विषय कोड	कोर्षनुं नाम	कोर्ष क्रेडीट	अठवाडिक व्याभ्यान	आंतरिक परीक्षा	यु.नी परीक्षा	कुलगुण	परीक्षानो समय
१	२०१	प्राकृत व्याकरण-२ (महाराष्ट्री)	४	४	३०	७०	१००	३
२	२०२	प्राकृत गद्य -पद्य २ (महाराष्ट्री) अनुवाद	४	४	३०	७०	१००	३
३	२०३	प्राकृत साहित्य परिचय- २	४	४	३०	७०	१००	३

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण

**P.G. Certificate Course in Prakrit**

प्रवेशना धोरणो : कोर्ष पण विद्याशाखाभां स्नातक

कोर्ष अवधि : १ वर्ष २ सेमेस्टर

उत्तिर्ण थवाना धोरणो : युनिवर्सिटीना धारा धोरण अनुसार